(क) क्या यह सच है कि देश में चालू वर्ष के दौरन प्याज का उत्पादन कम होने के बावजूद प्याज के निर्यात के लिए स्वीकृति देदी गयी थी,

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि वित्ती वर्ष 1997-98 के दौरान प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध था,

(ग) यदि हां, तो चालू वर्ष के दौरान प्याज के निर्यात की अनुमति दिए जाने के क्या कारण है, और

(घ) निर्यात के लिए प्याज के आवंटन की कुल मात्रा कितनी है?

खाद्य और उपभोक्त मामले के मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सत्यपाल सिंह यादव): (क) और (ख) प्याज के निर्यात को फरवरी, 1998 में अस्थायी रूप से रोक दिया गया था और प्याज की खरीफ की फसल की आवक के कारण 4.3.98 से इस रोक को हटा लिया गया था। प्याज के निर्यात पर दुबारा फिर 8.10.98 से 31.1.99 तक के लिए रोक लगा दी गयी है ।

(ग) 1 फरवरी , 98 में प्याज के निर्यात पर लगायी गयी अस्थाई रोक को मार्च, 98 में प्याज की रबी फसल की आवक के कारण हटा दिया गया था, ताकि निर्यातकों की वचनबद्धताओं को पूरा किया जा सके और किसानों के हितों की रक्षा की जा सके । तथापि, 1998-99 की प्याज की खरीफ की फसल को हुई क्षति का आकलन करने के बाद निर्यात पर लगायी गयी रोक को फिर से बहाल कर दिया गया है।

(घ) चालू वर्ष के दौरान अप्रैल से अक्तुबर, 1998 के बीच में कुल 2,13 लाख मीट्रिक टन प्याज का निर्यात किया गया, जबकि अप्रैल-अक्तुबर, 1997 के दौरान 3.18 लाख मीट्रिक टन का निर्यात किया गया था । 18.10.98 से प्याज का कोई निर्यात नहीं किया गया।

देश में प्याज की मांग तथा उत्पादन

677. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया**:

श्री कपिल सिब्बल:

क्या खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 1996-97 के दौरान प्याज की घरेलु आवश्यकता को नजरअंदाज करते हुए 358.6 करोड़ रूपये के मूल्य के प्याज का निर्यात किया गया था, जबकि प्याज के कुल उत्पाद्न का मूल्य 642.9 करोड़ रूपए था ,

(ख) यदि नहीं, तो तत्संबंधी तथ्य क्या है:

(ग) क्या यह भी सच है कि चालू वर्ष 1998 के दौरान देश में प्याज की कुल आवश्यकता संबंधी एक आकलन किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो आवश्यकता की मात्रा कितनी है तथा किन-किन स्रोतो से यह आवश्यकता पूरी किए जाने की संभावना है और प्रत्येक स्रोत से कितनी-कितनी मात्रा उपलब्ध होगी?

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा खाद्य और उपभोक्ता मामले के मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला): (क) और (ख) वर्ष 1996-97 के दौरान प्याज की कुल 5.13 लाख मी. टन मात्रा का निर्यात किया गया जिसका मूल्य 331.63 करोड़ रूपए था । 1996-97 के दौरान प्याज के 44.3 लाख मी. टन मात्रा का उत्पादन किया गया । प्याज के कुल उत्पादन में से लगभग 75 प्रतिशत का उपयोग घरेलु खपत के लिए, लगभग 10-12 प्रतिशत का उपयोग निर्यात के लिए, 2-3 प्रतिशत का उपयोग बीज और प्रसंस्करण के लिए किया जाता है तथा 10-12 प्रतिशत मात्रा सूखने और विकृत होने आदि के कारण बर्बाद हो जाती है।

(ग) और (घ) देश में प्याज की कुल आवश्यकता का कोई अनुमान नहीं लगाया गया है । वर्ष 1998-99 के दौरान प्याज का अनुमानित उत्पादन लगभग 44.5 लाख मीं. टन होने की संभावना है।

दिल्ली में नमक की बिक्री

678. **श्री शिव सोरेन**: क्या खाद्य उपभोक्ता मामले मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मंत्रालय द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया के अनुसार खाद्य पदार्थो के बाजार-भाव प्रतिदिन देश में 37 स्थानों से एकत्र किए जाने के बाद अगले दिन दिल्ली पहुंचते है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या यह भी सच है कि देश में नमक का भरपूर भंडार होने के बावजूद 25 अक्तुबर से 3 नवम्बर, 1998 के बीच देश मे नमक 30 रूपये से 60 रूपये किलों की दर से बेचा गया,

(घ) यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है, और

(ड) सरकार द्वारा इस मामले में उठाए गये कदमों का ब्यौरा क्या है?

खाद्य और उपभोक्ता मामले के मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सत्यपाल सिंह यादव): (क) और (ख) 18 केंद्रों